क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 210, शुक्रवार, 24 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी ने जर्मनी में देश का मान घटाया: भाजपा

नई दिल्ली।

भाजपा ने आज कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि जर्मनी के एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने भारत का कद घटाया, आतंकवाद को सही ठहराया और केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए ''सफेद झूठ' कहा। भाजपा प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने विभिन्न मुद्दों पर टिप्पणियों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष से सफाई मांगी और दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ ड्क्षहसा के लिए भारतीय संस्कृति को जिम्मेदार बताकर उन्होंने देश की छवि धूमिल की है। हैम्बर्ग के बुसेरियस समर स्कूल में कल लोगों को संबोधित कर रहे राहुल ने आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट का उदाहरण देते हुए कहा था कि विकास प्रक्रिया से बड़ी संख्या में लोगों को बाहर रखना दुनिया में आतंकवादी समूहों की उपज का कारण बन सकता है। राहुल ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों को विकास प्रक्रिया से दूर रख रही है और यह खतरनाक हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष पर पलटवार करते हुए पात्रा ने कहा,, ''राहुल गांधी ने भारत का कद छोटा करने और उसकी छवि धूमिल करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। हमें आपसे स्पष्टीकरण चाहिए।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''राहुल ने आतंकवाद को जायज ठहराने की कोशिश की और इस्लामिक स्टेट के लिए सफाई दी है। इससे ज्यादा भयभीत करने वाली और चिंताजनक कोई बात नहीं हो सकती।'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल की यह टिप्पणी समुदाय के लिए अपमानजनक है कि भारत में अल्पसंख्यकों के लिए यदि नौकरियां नहीं हैं तो वे आईएस का रूख कर लेंगे। पात्रा ने दावा किया कि भारत के संबंध में राहुल के विचार बहुत तुच्छ हैं, वह अब भी चीन का गुणगान कर रहे हैं जबकि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन गया है। पात्रा ने आरोप लगाया, 'उनका भाषण झूठ और भ्रम से भरा था।' साथ ही उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्या वह आंकड़ा 10 जनपथ में तैयार किया गया है जिसमें राहुल ने बताया कि भारत में हर घंटे रोजगार के 44 अवसर सृजित होने की तुलना में चीन में हर घंटे रोजगार के 50 अवसर पैदा हो रहे हैं। 10 जनपथ राहुल की मां और संप्रग प्रमुख सोनिया गांधी का आवास है। पात्रा ने राहुल के बारे में कहा, ''न तो आपके पास कोई आंकड़े हैं और न ही आप कोई तैयारी करते हैं।'' भाजपा नेता ने कहा कि सोनिया गांधी 19 साल से ज्यादा वक्त तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं और करीब 10 साल तक 'प्रॉक्सी प्रधानमंत्री' के रूप में देश पर शासन किया। भारत में महिलाओं की सुरक्षा पर राहुल की टिप्पणी को लेकर उनसे माफी की मांग कर रहे पात्रा ने पूछा, ''क्या इस भारतीय संस्कृति ने उन्हें (सोनिया को) शीर्ष पर पहुंचने में मदद नहीं की ? राहुल और सोनिया गांधी को सामने आकर सफाई देनी चाहिए कि वह ऐसी महान भारतीय संस्कृति पर ऊंगली कैसे उठा सकते हैं ?'' पात्रा ने कहा कि दलितों और आदिवासियों के प्रति अत्याचार से निपटने वाला कानून मोदी सरकार द्वारा रद्द किये जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस प्रमुख ने ''सफेद झूठ'' बोला है। उन्होंने कहा, वास्तव में संसद ने पिछले सत्र में संशोधन पारित कर कानून को और अधिक कठोर बनाया ।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 8 एवं 9 सितंबर को, प्रमुख एजेंडों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 8 एवं 9 सितंबर को दिल्ली में होने की संभावना है। यह बैठक 18 एवं 19 अगस्त को होनी थी लेकिन 16 अगस्त को भाजपा के शीर्ष नेता रहे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। वाजपेयी के सम्मान में सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया था जो बुधवार समाप्त हुआ। पार्टी सूत्रों ने यहां बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की नई तारीख 8 एवं 9 सितंबर तय की गई है। बैठक कनॉट प्लेस के निकट नई दिल्ली नगरपालिक निगम परिषद (एनडीएमसी) के सभागार में होगी जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक पहले दिन राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री (संगठन) मौजूद रहेंगे। यह बैठक सुबह 10 बजे शुरू होगी और अपराह्न 2 बजे तक चलेगी। इसके बाद राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक अपराह्न चार बजे से शुरू होगी। अगले दिन शाम पांच बजे समापन होगा। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह करेंगे। राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रमुख एजेंडे पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें गत कार्यवाही की पुष्टि, पिछली बैठक से अब तक की प्रमुख गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी, संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा राजनीतिक एवं आर्थिक प्रस्तावों पर चर्चा होगी और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। इसके

केरल में बाढ़ के बाद अब लोगों को सता रहा है ये डर

कोच्चि। केरल में भीषण मानसून और बाढ़ के बाद अब जब लोग अपने घरों को लौट रहे हैं तो उन्हें कोबरा और अन्य जहरीले सांपों के खौफ से दो-चार होना पड़ रहा है जो शौचालयों, आलमारियों और वाशबेसिन में जमे हुए हैं। पिछले पांच दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से सर्पदंश की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में प्रशासन वन्यजीवन संरक्षणवादी और सांप विशेषज्ञ वावा सुरेश की मदद मांग रहे हैं। समीप के अंगमाली के एक निजी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि 15-20 अगस्त के दौरान डॉक्टरों ने सर्पदंश के 53 मामले देखे हैं। अंगमाली लिटिल फ्लावर अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि नाग, करैत आदि जहरीले सांप बाढ़ के पानी के साथ जंगल से बहकर आ गये और उन्होंने इन वीरान घरों में घर जमा लिया। डॉक्टर ने कहा, ''ये सरीसृप पानी में डूबे घरों और अन्य ढांचों में पहुंच गये।इसलिए, जो लोग पानी घटने के बाद साफ सफाई के लिए अपने घरों में प्रवेश करते हैं उन्हें सावधानी बरतना चाहिए।'' राज्य सरकार के जनसंपर्क विभाग ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर अभियान चलाया है। ऐसे ही एक अभियान में सुरेश ने लोगों से सांपों को देखकर नहीं घबराने, अपनी चीजें डंडे के सहारे ढूढने और फर्श को किरोसिन वाले पानी से पोछने की सलाह दी है। माना जाता है कि किरोसिन की गंध से सांप भाग जाते हैं।

कश्मीर में सडक़ हादसों में पांच की मौत, सात घायल

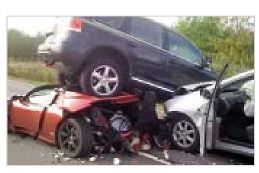

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटे के दौरान अलग-अलग सडक़ दुर्घटनाओं में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य घायल हो गये। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि गुरुवार को बारामूला के ख्वाजाबाग निवासी गुलाम नबी की बेटी साइमा सोपोर के वारपोरा में चलती मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयीं। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गयी। सूत्रों के मुताबिक सीमावर्ती कुपवाड़ा के तंगधार में मुख्य चौराहे पर एक कैब के कार में टक्कर मारने से कार चालक बिलाल अहमद और उसके नाबालिग बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। बिलाल की पत्नी, माता-पिता तथा भाई इस हादसे में घायल हो गये। इस घटना में घायल गुलाम मोहम्मद मलिक की बेटी सिमरन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। कैब का चालक जहूर अहमद भी घायल है। कुपवाड़ा के द्रगमुल्ला में कल रात हुई दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार मोहम्मद सैयद पीर की मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये।

राष्ट्रीय रक्षा पर खर्च घटा रही है सरकार: मनीष तिवारी

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर राष्ट्रीय रक्षा को लेकर लापरवाही बरतने तथा उसकी अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले चार साल से रक्षा खर्च लगातार घटाया जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद के मानसून सत्र में लोकसभा की प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट में मोदी सरकार द्वारा रक्षा खर्च घटाने पर चिंता व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि इस समिति के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी है और इसके 30 सदस्यों में से 16 भाजपा के हैं। यह कोई कांग्रेस या विपक्षी दल का आरोप नहीं है बल्कि संसदीय समिति की रिपोर्ट रक्षा खरीद एवं उत्पादन पर खर्च में इसका उल्लेख किया गया है। तिवारी ने रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में रक्षा खर्च में लगातार कटौती कर रही है। वर्ष 2014-15 की तुलना में वर्ष 2017-18 तक रक्षा खर्च में 1.56 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 1962 के बाद जीडीपी की तुलना में रक्षा पर सबसे कम खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर सेना के आधुनिकीकरण और तैयारियों पर पड़ रहा है। मौजूदा हालात में भारत की रक्षा व्यवस्था पर इस कटौती का व्यापक असर होगा।

महबूबा ने भाजपा कार्यकर्ता की हत्या की निंदा की

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को ईद-उल-अजहा के अवसर पर दक्षिण कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की ड्क्षहसा को खत्म करने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया और वार्ता शुरू होनी चाहिए। महबूबा ने कहा कि किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता की हत्या नहीं की जानी चाहिए चाहे वह किसी भी दल से ताल्लुक रखता हो। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा ने पुलवामा में भाजपा के स्थानीय नेता शबीर अहमद भट की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह टिप्पणी की। महबूबा ने ट्विटर पर कहा, ईद के अवसर पर इस तरह के कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि चाहे किसी भी राजनीतिक दल का कार्यकर्ता हो, उसकी हत्या नहीं होनी चाहिये। इस तरह की ड्क्षहसा को खत्म करने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया और बातचीत का दौर शुरू करने की जरूरत बतायी।

सुप्रीम कोट का आदेश- धर्मस्थलों की संपत्ति और लेखा-जोखा पर रिपोर्ट दें जिला मजिस्ट्रेट

नेशनल डेस्क।

सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट ने देश के मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे धार्मिक स्थलों और चैरिटेबल संस्थानों को लेकर ऐतिहासिक फैसला लिया है। कोर्ट ने धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई, यहां लोगों को पेश आने वाली परेशानियों, किसी तरह के कुप्रबंधन और श्रद्धालुओं के चढ़ावों के समुचित उपयोग से संबंधित शिकायतों की जांच का निर्देश जिला मजिस्ट्रेट को दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि इस संबंध में उसका आदेश सभी धार्मिक स्थलों पर लागू होगा और इसमें धार्मिक आधार पर किसी तरह का भेद नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सभी धार्मिक स्थलों, चैरिटेबल संस्थाओं में हाइजीन, संपत्ति, अकाउंट से संबंधित शिकायतों की सुनवाई जिला जज करें और अपनी रिपोर्ट हाई कोर्ट को सौंपे।

जस्टिस आदर्श के गोयल और एस अब्दुल नजीर की बेंच ने पिछले महीने अपने आदेश में कहा था कि श्रद्धालुओं के सामने आने वाली कठिनाइयां, प्रबंधन में कमियां, हाईजीन का अभाव, मंदिर के चढ़ावे का उचित इस्तेमाल और संपत्ति का संरक्षण केवल राज्य सरकार व केंद्र सरकार के लिए ही विचार के मामले नहीं है बल्कि कोर्ट को भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बता दें कि देश में इस वक्त 20 लाख से अधिक मंदिर, तीन लाख मस्जिद और हजारों चर्च हैं। हालांकि, इस आदेश के बाद यह स्पष्ट है कि न्यायपालिका पर अतिरिक्त दबाव बढ़ने वाला है। इस वक्त देश में 3 करोड़ के करीब पेंडिंग केस हैं और हाई कोर्ट और जिला अदालतों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं।

3 महीने बाद काम पर लौटे अरुण जेतली, फिर संभाला वित्त मंत्रालय का कार्यभार

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय मंत्री अरुण जेतली ने वित्त मंत्रालय और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय का कार्यभार आज संभाल लिया। गुर्दा प्रतिरोपण के लिए लगभग 100 दिनों तक कामकाज से दूर रहने के बाद उन्होंने वापस वित्त मंत्री का कार्यभार संभाला और अधिकारियों के साथ बैठक की । 65 वर्षीय जेटली अप्रैल की शुरुआत से ही मंत्रालय नहीं आ रहे थे। 14 मई को उनके गुर्दे का प्रतिरोपण किया गया। इस दौरान वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार पीयूष गोयल को सौंपा गया था। जेतली आज सुबह 11 बजे अपनी सफेद टाटा सफारी से वित्त मंत्रालय के दफ्तर नॉर्थ ब्लॉक पहुंचे। उनके साथ उनके निजी कर्मचारी भी थे। साधारण पैंट-शर्ट और नेहरू जैकेट पहने जेटली सीधे नॉर्थ ब्लॉक के प्रथम तल पर स्थित अपने कार्यालय में पहुंचे। उनके मौजूदा स्वास्थ्य को देखते हुए उनके कार्यालय का नवीनीकरण किया गया है। साथ ही स्वच्छता का विशेष ख्याल रखा गया है। मंत्रालय के अधिकारियों और उनके उप मंत्रियों ने जेतली का स्वागत किया। वरिष्ठ नेता ने अपने दोनों मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इनमें वित्त सचिव हसमुख अधिया के साथ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के चेयरमैन शामिल रहे। उनके कमरे में सीमित लोगों को ही आने-जाने की अनुमति होगी। अभी आगंतुकों को अस्पतालों में उपयोग होने वाले नीले रंग के प्लास्टिक के जूते के कवर पहनने होंगे। इससे पहले आज एक अधिसूचना में कहा गया कि भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर, वित्त मंत्रालय और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय का विभाग फिर से अरूण जेतली को सौंपने का निर्देश दिया है। 14 मई को उनके मंत्रालयों का प्रभार अंतरिम तौर पर गोयल को सौंपा गया था। गोयल के पास रेल मंत्रालय और कोयला मंत्रालय भी है। सर्जरी के बाद से, चिकित्सकों की सलाह पर वह कामकाज से दूर थे। हालांकि इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में बिना विभाग के मंत्री थे। इस अवधि में वह बीच-बीच में सोशल मीडिया पर नजर आए थे। इनमें असम में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, आपातकाल के चार दशक, संसद में अविश्वास प्रस्ताव, राफेल जेट विमान सौदा, माल एवं सेवाकर और जीडीपी के आंकड़ों की पिछली कड़ियों जैसे मुद्दों पर सोशल मीडिया पर ब्लॉग लिखकर लोगों से रूबरू हुए और सरकार का पक्ष रखा। वहीं जीएसटी की पहली वर्षगांठ और बैंकिंग सम्मेलन के दौरान वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से संबोधन भी दिया। हालांकि उन्होंने नौ अगस्त को राज्यसभा में उपसभापति पद के लिए हुए चुनाव में हिस्सा लिया था।

मुर्दों को ऑन ड्यूटी बता रही वेबसाइट हुई अपडेट

वेस्ट दिल्ली। मुर्दों को ऑन ड्यूटी बता रही वेबसाइट को नवोदय टाइम्स में खबर प्रकाशित होने के बाद अपडेट कर दिया गया है। सब्जी मंडी मोर्चरी की वेबसाइट में बदलाव करते हुए मृतक ताराचंद का नाम हटा दिया गया है। ताराचंद मोर्चरी में पिछले चालीस साल से मुर्दे काटने का काम करता था, लेकिन उसकी मौत के बावजूद उसे वेबसाइट पर ऑन ड्यूटी दिखाया जा रहा था। अब कर्मचारी सूची में ताराचंद का नाम शामिल नहीं है। दरअसल, 18 अगस्त को सब्जी मंडी मोर्चरी की वेबसाइट को लेकर ''मृत को ऑन ड्यूटी बता रही वेबसाइट'' नामक शीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। स्वास्थ्य विभाग ने खबर पर संज्ञान लेते हुए मृतव नौकरी छोड़ चुके सभी कर्मचारियों का नाम वेबसाइट से हटा दिया है। ज्ञात हो कि वेबसाइट पर कर्मचारियों की सूची के मुताबिक ताराचंद को पोस्टमार्टम अटेंडेंट के पद पर कार्यरत दिखाया जा रहा था। जिसका बाकायदा फोन नंबर भी दिया हुआ था। जबकि ताराचंद की सात माह पहले मुर्दों के लगातार संपर्क में रहने से भयंकर इनफेक्शन से मौत हो गई थी। परिवार ने उनका इलाज भी कराया, जिस पर लाखों रुपए खर्च हो गए, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। ताराचंद से जुड़ी यह सब डिटेल वेबसाइट पर डाल तो दी गई थी, लेकिन उसकी मौत के बाद उन्हें प्रशासन हटाना ही भूल गया था। वेबसाइट अपडेट नहीं होने की वजह से वेबसाइट विजिटर को पुरानी जानकारी ही प्राप्त हो रही थी। नियमानुसार,वेबसाइट पर नई जानकारियां व किसी प्रकार की सूचना समय-समय पर अपडेट होती रहनी चाहिए थी। लेकिन अब वेबसाइट पर अब पुरानी कर्मचारी सूची को अपडेट कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा कारणों से कश्मीर में रेल सेवा स्थगित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कश्मीर घाटी में गुरुवार को दूसरे दिन भी एहतियात के तौर पर रेल सेवाएं स्थगित रहीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि घाटी में सभी रेल सेवाओं को स्थगित रखा गया है। उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर के दौरान पथराव की घटनाओं से रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था और कुछ यात्री भी घायल हुए थे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए इस बार रेल सेवाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर में बडगाम-श्रीनगर-अनंतनाग-काजीगुंड से जम्मू में बनिहाल के लिए चलने वाली रेलगाड़ियों को आज भी स्थगित रखा गया। इसी तरह श्रीनगर-बडगाम और उत्तर कश्मीर में बारामूला के बीच कोई ट्रेन नहीं चलेंगी। पहले भी घाटी में मुठभेड़ों के दौरान अलगाववादियों या प्रदर्शनों की आशंका के मद्देनजर तथा हड़ताल के आह्वान के दौरान ट्रेनों को स्थगित रखा जाता रहा है।

महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर किया अपलोड, छिड़ा विवाद

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल में एक महिला की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ कर उसे सोशल मीडिया में वायरल किये जाने के बाद पूर्वा गोलपाड़ा और दनगापुर गांव के लोगों के बीच झड़प हो गयी जिससे इसमें कम से कम 25 लोग घायल हो गए। पूर्वी वर्धमान के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राज नारायण मुखर्जी ने बताया कि कल हुई इस घटना के संबंध में अब तक 29 लोगों को गिरफ्तार किया है और दोनों गांवों में दबिश दी जा रही है। दनगापुर गांव के निवासियों को सोशल नेटर्विकंग साइट पर मंगलवार को महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ कर उसे अपलोड करने में पड़ोसी पूर्वा गोलपाड़ा गांव के शेख रकीबुल के शामिल होने पर शक था। शेख रकीबुल के भाई शेख हिज्बुल्ला ने दावा किया कि मंगलवार को मदनघाट पुलिस थाने में हुई एक बैठक में मामला सुलझ गया था। बहरहाल, पुलिस ने बताया कि थाने में ऐसी कोई बैठक नहीं हुई। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि कल शेख रकीबुल का समर्थन कर रहे कुछ लोगों ने दनगापुर के गांववालों से झड़प की और दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर छड़ों, पत्थरों और धारदार हथियारों से हमला किया। उन्होंने बताया कि 16 घायलों को कालना उप मंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और बाकियों को पास के अस्तपाल में ले जाया गया।

पश्चिम बंगाल: टिएमसी कार्यालय में विस्फोट, 2 लोगों की मौत व कई घायल

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल में पश्चिम मेदिनीपुर के नारायणगढ़ में वीरवार तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में देसी बम फटने से कम से कम एक कार्यकर्ता की मौत हो गयी और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। एक अपुष्ट सूत्र ने विस्फोट में मरने वालों की संख्या दो बतायी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह लगभग नौ बजे विस्फोट की आवाज सुनाई दी और उन्होंने कुछ स्थानीय लोगों को गंभीर रूप से घायल छह पार्टी कार्यकर्ताओं को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाते हुए देखा जहां डॉक्टरों ने एक कार्यकर्ता को मृत घोषित कर दिया था। घायलों में से दो को कोलकाता के एक अस्पताल भेजा गया है। नारायणगढ़ थाने से पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया है और जांच शुरू कर दी गयी है। मोकरमपुर स्थित एक मंजिला पार्टी कार्यालय विस्फोट से धराशायी हो गया है। पुलिस ने घटनास्थल को चारों ओर से घेर लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि देसी बम पार्टी कार्यालय में रखा हुआ था। सुबह नौ बजे कुछ पार्टी कार्यकर्ता जब कार्यालय में थे तभी यह विस्फोट हुआ। तृणमूल जिला अध्यक्ष अजीत मैती ने रिपोर्ट में बताया कि गैस सिलेंडर फटने से विस्फोट हुआ है।

शर्मनाक: फौजी ने साथी की पत्नी से किया रेप

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके में रहने वाले एक भारतीय सेना के जवान ने अपने ही साथी की पत्नी से रेप की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के समय साथी घर में मौजूद नहीं था। वापस लौटने पर जब पत्नी ने इसकी जानकारी पति को दी तो पति ने उसके घर में घुस उस पर फरसे से हमला कर दिया। पर वहां आस पास रहने वाले जवानों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी जवान व उसपर जानलेवा हमला करने वाले पति को भी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ही जवान दिल्ली कैंट आर्मी बेस में पदस्थापित हैं और एक दूसरे के पड़ोसी भी हैं। रविवार की रात दोनों अपने एक अन्य फौजी साथी, जोकि तमिलनाडु स्थानांतरण होने के बाद जो दिल्ली से जा रहा था, उसे रेलवे स्टेशन छोडऩे के लिए गए हुए थे। पर वहां ट्रेन लेट होने के कारण पीड़िता का पति वहीं रुक गया और आरोपी उसे छोड़ वापस चला आया। वापस लौट वह अपने साथी के घर पहुंच गया और अकेली पाकर उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। देर रात जब पति घर लौटा तो उसने आपबीती पति को बताई। जानकारी मिलते ही गुस्साए पीड़िता का पति घर में रखा फरसा लेकर आरोपी के घर पहुंच गया और उस पर हमला कर दिया। पर शोर सुन पहुंचे आस पास रहने वाले अन्य फौजी साथी वहां पहुंच गए और उसे पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। महिला के बयान पर उसका मेडिकल करा आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, पीड़िता के पति के खिलाफ आरोपी की शिकायत पर जानलेवा हमला का मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय

कानून का दुरुपयोग

सुप्रीम कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि विवाह संबंधी विवादों और दहेज हत्या के मामलों में अपराध में लिप्तता की पुष्टि के बिना पति के संबंधियों को नामजद नहीं किया जाना चाहिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों को भी यह हिदायत दी कि वे ऐसे मामलों में पति के दूर के रिश्तेदारों के खिलाफ कार्यवाही में सतर्कता बरतें, लेकिन यह कहना कठिन है कि केवल इतने से बात बनेगी और जमीनी हकीकत बदलेगी। यह फैसला एक ऐसे मामले में दिया गया जिसमें एक महिला ने अपने बच्चे के अपहरण में पति के मामाओं को भी शामिल बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि पहली नजर में इन मामाओं के खिलाफ मामला नहीं बनता, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि न तो पुलिस ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकी और न ही हैदराबाद उच्च न्यायालय। स्पष्ट है कि यदि पुलिस अपना काम सही तरह नहीं करेगी तो फिर वैवाहिक विवादों और दहेज हत्या के मामलों में निदरेष लोग झूठे आरोप की चपेट में आकर कष्ट उठाते रहेंगे। नीति और न्याय का तकाजा यही कहता है कि किसी भी मामले में किसी को केवल आरोपों के आधार पर गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से दहेज प्रताड़ना के साथ अन्य कई मामलों में ऐसा ही है। 1पत्नी की प्रताड़ना और दहेज हत्या के मामलों में आम तौर पर पति के साथ उसके उसके मां-बाप, परिवार के अन्य सदस्य और कई बार दूर के रिश्तेदार भी आरोपित बना दिए जाते हैं। हालांकि झूठे आरोपों के आधार पर फंसाए गए ऐसे लोगों को अदालतों से राहत मिल जाती है, लेकिन जब तक ऐसा होता है तब तक वे बदनामी के साथ-साथ अन्य तमाम तरह की परेशानी से दो-चार हो चुके होते हैं। दरअसल इसी कारण दहेज प्रताड़ना संबंधी धारा 498-ए को एक ऐसे कानूनी प्रावधान के तौर पर अधिक जाना जाता है जिसका जमकर दुरुपयोग होता है। आम धारणा है कि यह धारा बदला लेने का हथियार बन गई है। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले जब सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया था कि दहेज विरोधी कानून में तुरंत गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए तो यह बहस छिड़ गई कि महिलाओं के हित वाले एक कानून को कमजोर करने का काम कर दिया गया। बहस आगे बढ़ी तो सुप्रीम कोर्ट उक्त फैसले पर फिर से विचार करने के लिए तैयार हो गया। बेहतर हो कि वह इस बारे में अपना निर्णय यथाशीघ्र दे ताकि संशय का माहौल दूर हो। दुनिया में ऐसा कोई कानून नहीं जिसका दुरुपयोग न होता हो, लेकिन किसी भी कानून को केवल इसलिए कमजोर नहीं किया जाना चाहिए कि उसका दुरुपयोग हो रहा है। दरअसल जरूरत कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के उपाय करने की है। ये उपाय तब कारगर होंगे जब कानून नीर-क्षीर विवेक से बनेंगे और पुलिस सुधारों पर अमल होगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट पुलिस में सुधार के लिए कोशिश कर रहा है, लेकिन उसमें संकीर्ण राजनीति बाधक बन रही है। अगर पुलिस सुधारों संबंधी सुप्रीम कोर्ट के एक दशक से अधिक पुराने दिशानिर्देशों पर सही तरह अमल नहीं हो सका है तो राजनीतिक दलों की संकीर्णता के कारण ही।

राजनीतिक शुचिता की तरफ

सामयिक/ सुरेन्द्र किशोर

नक्सलियों ने खेत-मजदूरों के शोषण का सवाल उठाया। खेत-मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए सरकार का श्रम विभाग कार्यरत है पर वह उनके काम नहीं आया। उधर, भूमिपतियों और नक्सलियों के बीच मारकाट शुरू हो गयी। भूमिपतियों के बचाव में पुलिस की जगह इलाके का एक बाहुबली सामने आया। उसने अपनी निजी सेना बनाई। उसने नक्सलियों से भूमिपतियों की भरसक रक्षा की। दोतरफा मारकाट हुआ। शासन-पुलिस मूक दर्शक बना रहा। परंपरागत राजनीतिक दल उस इलाके में प्रभावहीन होते गए। बाहुबली भूमिपतियों में लोकप्रिय हुआ। उनके वोट से पहले वह निर्दलीय विधायक बना।

इस साल मार्च में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि देश के कुल 4896 सांसदों और विधायकों में से 1765 सांसदों-विधायकों के खिलाफ विभिन्न अदालतों में आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। यानी कुल 36 प्रतिशत जन प्रतिनिधियों पर मुकदमें चल रहे हैं। सन 2004 में ऐसे सांसदों-विधायकों की संख्या कुल संख्या की 14 प्रतिशत थी। वह बढ़कर अब 36 प्रतिशत हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे सड़ांध की संज्ञा दी है। राजनीति के अपराधीकरण की इस तेज रफ्तार को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 21 अगस्त, 2018 को एक खास बात कही। अदालत ने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए कानून बनाने के लिए यह अदालत संसद को नहीं कह सकती। पर हम चुनाव आयोग को यह निर्देश तो दे ही सकते हैं कि अपराधियों को टिकट देने वाले दलों के चुनाव चिह्न वह छीन ले। चुनाव आयोग खुद फार्म-6 ए में यह अतिरिक्त प्रावधान कर सकता है कि यदि पार्टी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को चुनाव मैदान में उतारेगी तो उसे पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं दिया जाएगा।हालांकि एटार्नी जनरल के.के.वेणुगोपाल ने अदालत से कहा, ''यह काम संसद का है, कोर्ट का नहीं। अंतिम तौर पर सजायाफ्ता होने से पहले किसी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा सकता है। यदि रोका जाएगा तो वह असंवैधानिक होगा।' पर सन 2002 का एक उदाहरण इसके विपरीत है। दरअसल, वेणुगोपाल ने अदालत से यह भी कह दिया कि यदि मुकदमों के कारण किसी को चुनाव लड़ने से रोक देने का प्रावधान हो जाएगा तो संभावित उम्मीदवारों के खिलाफ उनके राजनीतिक विरोधी जाली मुकदमे करवा देंगे। फिर भी संकेत यह है कि सुप्रीम कोर्ट देर-सवेर ऐसा कोई उपाय कर सकता है ताकि जघन्य अपराधों के आरोपित चुनाव नहीं लड़ सकें। करीब डेढ़ दशक पहले ऐसे ही एक मामले में केंद्र सरकार और अधिकतर दलों के विरोध के बावजूद सुप्रीम कोर्ट आदेश देकर चुनाव आयोग से एक अच्छा काम करवा चुका है। उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक मुकदमे और संपत्ति का विवरण देना जरूरी तभी हो सका, जब सुप्रीम कोर्ट ने 2 मई,2002 को ऐसा करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश दिया। उससे पहले तत्कालीन केंद्र सरकार इसके लिए तैयार ही नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को बेअसर करने के लिए तब की वाजपेयी सरकार ने राष्ट्रपति से एक अध्यादेश जारी करवा दिया। बाद में उसे संसद से पास भी करवा कर कानून का भी दर्जा दिलवा दिया गया। लगभग सभी राजनीतिक दल इस मामलें में सरकार के साथ थे। पर सुप्रीम कोर्ट ने उस कानून को ही रद्द कर दिया। उसके बाद ही वे सूचनाएं उम्मीदवार देने को बाध्य हो गये। अब भी दे रहे हैं। अब जिस देश के अधिकतर राजनीतिक दल व नेतागण अपने बारे में ऐसी निदरेष सूचनाएं भी सार्वजनिक करने को तैयार नहीं थे, वे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अपने दलीय साथियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए खुद कोई कानून बनाने को तैयार हो जाएंगे, ऐसा लगता नहीं है। लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता की बात यह भी है कि मुख्य धारा के किसी राजनीतिक दल को ऐसे उम्मीदवारों से कोई परहेज ही नहीं है। वे इसे ''व्यावहारिक राजनीति' का तकाजा बताते रहे हैं। कोई नेता कहता है कि जब तक किसी को सुप्रीम कोर्ट से सजा न हो जाए, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। दूसरा दल कहता है कि हम बाघ के खिलाफ बकरी को तो चुनाव में खड़ा नहीं कर सकते। इसलिए जब तक दूसरे दल बाहुबलियों को टिकट देते जाएंगे,तब तक हम भी देते रहेंगे। इस तरह विधायिकाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोकतांत्रिक संस्थाओं का स्वरूप बदलता जा रहा है। इसका प्रतिकूल असर आम प्रशासन पर भी पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में रिटायर अफसर और जनसेवा की मंशा वाले व्यक्ति जनहित याचिकाएं दायर करते रहे हैं और अदालत निर्देश देती रही है। लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति को देख कर आम लोग चिंतित हैं। पिछले वर्षो यह प्रावधान जरूर हुआ कि निचली अदालत से दो साल से अधिक की सजा होने के साथ ही सदन की सदस्यता चली जाएगी। वह सजा पूरी होने के छह साल के बाद ही चुनाव लड़ पाएगा। पर एक लोकहित याचिका इस संबंध में दायर की गयी है। उसके जरिए अदालत से यह आग्रह किया गया है कि वह आदेश दे कि छह साल की सीमा को भी समाप्त कर दिया जाए; क्योंकि यदि किसी सरकारी सेवक को सजा हो जाती है तो वह छह साल के बाद नौकरी में वापस तो नहीं आ जाता! दरअसल, देश के अधिकांश हिस्से में कानून-व्यवस्था के ढीला पड़ते जाने के कारण भी जहां-तहां ताकत के समानांतर केंद्र बनते जा रहे हैं। बिहार के एक खास इलाके में कुछ दशक पहले नक्सलियों ने अपनी गतिविधियां शुरू कीं। नक्सलियों ने खेत-मजदूरों के शोषण का सवाल उठाया। खेत-मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए सरकार का श्रम विभाग कार्यरत है पर वह उनके काम नहीं आया। उधर, भूमिपतियों और नक्सलियों के बीच मारकाट शुरू हो गयी। भूमिपतियों के बचाव में पुलिस की जगह इलाके का एक बाहुबली सामने आया। उसने अपनी निजी सेना बनाई। उसने नक्सलियों से भूमिपतियों की भरसक रक्षा की। दोतरफा मारकाट हुआ। शासन-पुलिस मूक दर्शक बना रहा। परंपरागत राजनीतिक दल उस इलाके में प्रभावहीन होते गए। बाहुबली भूमिपतियों में लोकप्रिय हुआ। उनके वोट से पहले वह निर्दलीय विधायक बना। फिर उसे सत्ताधारी दल का टिकट मिल गया। वह लोक सभा पहुंच गया। लगातार जीतता गया। अंततः उसे अदालत से सजा हो गयी। फिर भी क्षेत्र पर उसका प्रभाव बना। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। सामान्यतः कमजोर वर्ग को तो कहीं से भी न्याय नहीं मिलता। इस स्थिति में पक्ष-विपक्ष के लोगों को परस्पर-विरोधी गिरोहों के नेता गण आंशिक या एकतरफा न्याय तो दे ही पाते हैं। ना से हां सही। इस तरह वे गिरोहाधिपति वोट के सौदागर बन बैठते हैं। चाहे वे खुद लड़ें या अपने किसी परिजन को उम्मीदवार बनाएं। जमीन से कटे अधिकतर राजनीतिक दलों व नेताओं के लिए यह सुविधाजनक होता है कि ऐसे किसी गिरोहाधिपति को ही टिकट थमा दे। ऐसी स्थिति में कोई दल आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को टिकट से वंचित करेगा भी तो क्यों? विकास,कानून का राज और सुशासन के बिना अपराधी नेताओं को जनता से अलग-थलग नहीं किया जा सकता।

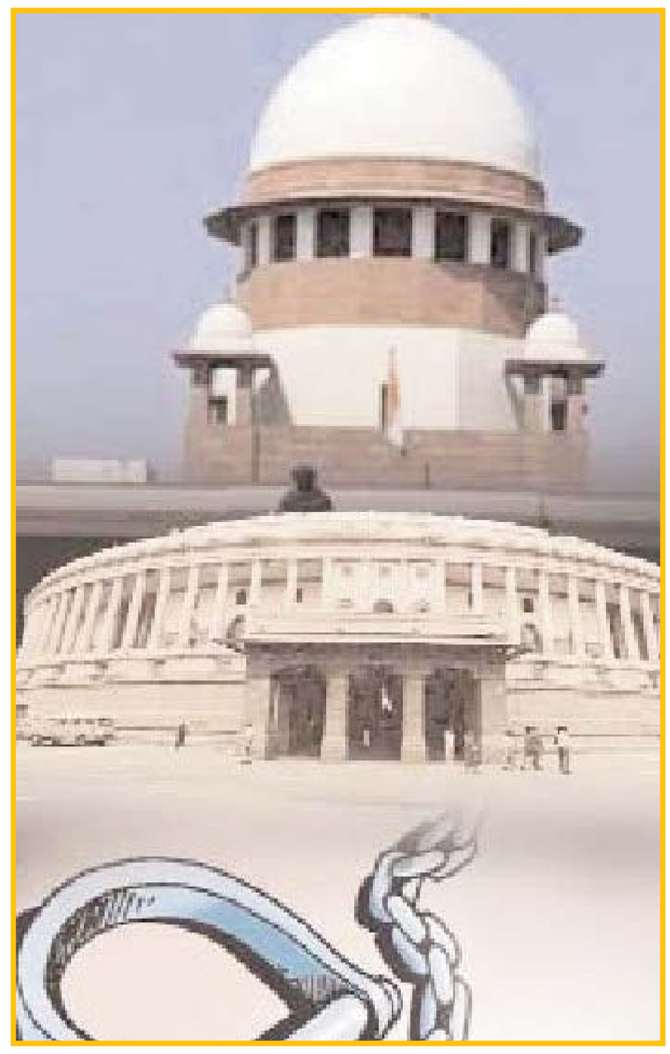

आज का राशीफल

आज का राशीफल

मेष	अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।
कर्क	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
तुला	व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।
मकर	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

मैली विद्याओं का कमाल धूर्तों की धमाल

- डॉ. दीपक आचार्य

यह दिगर बात है कि आम जन और समझदार लोग इन नरपिशाचों के भय से इनके सामने कुछ न कहें, मगर जो लोग अन्न-पानी और हवा का सेवन करते हैं वे सब इन्हें समझते अच्छी तरह है। और यों भी कोई इन्हें कुछ कहकर अपना समय गँवाना नहीं चाहता है क्योंकि ऐसे लोगों के बारे में पुरखों ने साफ कहा है कि नाखून, सिंग और खुर, दाँतों वाले जानवरों, स्वार्थ से भरे हुए ऐसे नरपिशाचों, मूर्खों, जड़ व अज्जड़ बुद्धि, पागलों, आधे पागलों और अंधानुचर बने दासों से दूरी ही रखनी चाहिए क्योंकि इनसे कभी भी प्रत्यक्ष खतरा सामने हो सकता है।

जो अंधेरा पसन्द होते हैं वे अपने पूरे जीवन में अंधेरे कोने में मकड़ियों की तरह कुण्डली मारकर जमे रहते हैं और पूरी जिन्दगी किसी न किसी षड़यंत्र का ताना-बाना बुनने में उलझे हुए रहते हैं। इनकी पूरी जिन्दगी का निचोड़ सामने रखकर यदि इनके प्राकट्य का विवेचन किया जाए तो यही निष्कर्ष निकलेगा कि विधाता ने जब इनका निर्माण किया होगा उस समय मकड़ियों या चिमगादड़ों के ढाँचें कम पड़ गए होंगे, तभी कहीं फालतू का पड़ा हुआ मनुष्य कंकाल इन लोगों को नवाज़ दिया गया। इन लोगों का रोशनी से कोई सरोकार कभी नहीं रहता। चाहे वह रोशनी भीतर की हो या फिर बाहर की। इन लोगों को अंधेरा, अंधेरगर्दी और अंधी गलियां तथा कोने ही रास आते हैं और ऐसे में ये लोग काम भी वैसे ही करते हैं जैसे अंधेरों के बीच रहने और परिभ्रमण करने के आदी लोग। इनका कोई कर्म किसी को रोशनी देने वाला भी हो सकता है, इसकी कभी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। बिना पुरुषार्थ के परायों को अपना तथा पराये माल को अपना बनाने के आदी ये लोग उन हर रास्तों पर चलने की कोशिश करने लगते हैं जिन्हें जिन्दगी में सफलता पाने का शोर्ट कट माना जाता रहा है। इन लोगों के लिए वे मार्ग और गलियां कतई काम की नहीं होती जहां रोशनी का वैभव पसरा होता है। आम तौर पर अंधेरा पसन्द ये लोग रात के उल्लूओं और चिमगादड़ों की तरह परिभ्रमण करते हैं और दिन में झींगुरों की तरह अपने अस्तित्व का गान। ये लोग सात्विक, राजसी और तामसी प्रवृत्तियों में नहीं गिने जाते बल्कि इनकी एक और प्रवृत्ति हुआ करती है और वह है कि अंधेरा पसन्द। इन गिरे हुए लोगों में ईश्वरीय आस्तिकता का प्रभाव कतई नहीं होता और इस कारण इनमें राक्षसी वृत्तियों का असर इतना अधिक होता है कि कभी ये नरपिशाचों के रूप में फिरते हैं और कभी राक्षसों के रूप में, कभी स्वरूप तो आदमी का झलकेगा लेकिन इनके मन में मलीनता इतनी भरी होती है जैसे किसी राजमार्ग पर बारिश के पानी से भरा कोई बड़ा सा गड्ढा। इन लोगों के जीवन भर का एक ही मकसद होता है कि जहां रहें वहां उन्हें लोग बादशाहत के साथ आदर दे सम्मान दें और उन्हें हमेशा प्रतिष्ठित मानें, चाहे उनमें कोई ऐसा गुण न हो, जिसके लिए उन्हें किसी भी प्रकार के सम्मान से नवाजा जा सके। ईश्वर से कोसों दूर, ऐसे लोगों का हर दिन दूसरों को पीड़ित करने और इस पीड़ा से उपजने वाला मजा लूटने के लिए होता है। इन लोगों का ध्येय यही होता है कि उनकी प्रतिष्ठा बनी रहे और जो लोग उनके आस-पास होते हैं वे उनकी हर बात मानें चाहे जायज हो या नहीं। ये लोग अपनी कुटिल धूर्तताओं, वासनाओं और हिंसक पशु स्वभाव को अपने प्रत्येक कर्म में अभिव्यक्त करते हुए अपने क्रूर व्यक्तित्व की छाप हर कहीं छोड़ते ही रहते हैं। फिर इन लोगों के भी अपने अलग किस्म के गुरु होते हैं जो शुक्राचार्य से भी दस कदम आगे होते हैं। ये गुरु अपने इन नालायक चेलों को उन विद्याओं में दक्ष करने में कोई कमी या कसर बाकी नहीं छोड़ते जो अच्छे और भले लोगों को पीड़ा देने में रामबाण असर करती हैं। इन लोगों के लिए सात्त्विक राय या सात्त्विक मार्ग कोई मायने नहीं रखता बल्कि इनके हर रास्ते मैली विद्याओं और अंधविश्वासों से भरे होते हैं। टोनों-टोटकों से संसार को पा जाने और संसार भर को परास्त कर देने तक के लक्ष्यों को सामने रखकर ये लोग ऐसी-ऐसी मैली विद्याओं का सहारा लेते हैं जिन्हें सभ्य लोग कभी सुनना भी नहीं चाहते। फिर जिस किसी स्थान पर मैले और काले मन वाले ऐसे दो-चार लोग भी जमा हो जाएं, तो फिर उनका कर्मक्षेत्र पूरा ही मैली आभाओं से भर जाता है। इसका असर इन मलीन और पशु बुद्धि लोगों पर भले ही नहीं पड़े मगर इससे इनके आस-पास का माहौल प्रदूषित होकर दुर्गन्ध देने लगता है और तब मनुष्यों की बस्ती में कहीं न कहीं से राक्षस होने की गंध आने लगती है। यह दिगर बात है कि आम जन और समझदार लोग इन नरपिशाचों के भय से इनके सामने कुछ न कहें, मगर जो लोग अन्न-पानी और हवा का सेवन करते हैं वे सब इन्हें समझते अच्छी तरह हैं। और यों भी कोई इन्हें कुछ कहकर अपना समय गँवाना नहीं चाहता है क्योंकि ऐसे लोगों के बारे में पुरखों ने साफ कहा है कि नाखून, सिंग और खुर, दाँतों वाले जानवरों, स्वार्थ से भरे हुए ऐसे नरपिशाचों, मूर्खों, जड़ व अज्जड़ बुद्धि, पागलों, आधे पागलों और अंधानुचर बने दासों से दूरी ही रखनी चाहिए क्योंकि इनसे कभी भी प्रत्यक्ष खतरा सामने हो सकता है। आजकल धूर्तों, फरेबियों और मक्कारों का जमाना आ गया है और ऐसे में इनकी हरकतों से इनका मूल्यांकन कर चुकने के बाद इनसे दूरी बनाए रखने में ही भला है क्योंकि ऐसे लोग किसी भी आदमी के भेष में आकर खंजर भौंक सकते हैं।

विचार मंथन

हमें लगातार पिछड़ने को मजबूर कर रही है बाढ़

पंकज चतुर्वेदी वरिष्ठ पत्रकार

अजीब विडंबना है। आंकड़े बता रहे हैं कि अब तक देश के बड़े हिस्से में मानसून नाकाफी रहा है, लेकिन जहां जितना भी बरसा, उसने तबाही का दायरा बढ़ा दिया है। केरल की बाढ़ इस भयावहता का ताजा बयान है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश भले कम हुई हो, बाढ़ से तबाह हुए इलाके कई गुना बढ़े हैं। कुछ दशक पहले जो इलाके बाढ़ मुक्त क्षेत्र माने जाते थे, अब वहां भी नदियां उफनने लगी हैं। असल में बाढ़ महज एक प्राकृतिक आपदा नहीं, देश के गंभीर पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक संकट का कारक बन चुकी है। हमारे पास बाढ़ से निपटने को महज राहत कार्य या यदा-कदा कुछ बांध या जलाशय निर्माण के विकल्प हैं, जबकि बाढ़ के विकराल होने के पीछे नदियों का उथला होना, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गरमी, रेत की खुदाई व शहरी प्लास्टिक व खुदाई मलवे का नदी में बढ़ना, जमीन का कटाव जैसे कई कारण दिनों-दिन गंभीर होते जा रहे हैं। सरकारी आंकड़े ही गवाह हैं कि भारत में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की माप किस तरह बढ़ती गई है। 1951 में यह महज एक करोड़ हेक्टेयर थी, जो 1960 तक बढ़कर ढाई करोड़ हेक्टेयर हो गई। 1978 में यह दायरा 3.4 हेक्टेयर पहुंचा और आज देश के कुल 329 मिलियन (दस लाख) हेक्टेयर में से चार करोड़ हेक्टेयर इलाका नियमित रूप से बाढ़ की चपेट में हर साल बर्बाद होता है। इसी तरह बाढ़ से नुकसान भी तेजी से बढ़ता गया है। यह महज एक बानगी है कि वर्ष 1995-2005 के दशक में बाढ़ से 1,805 करोड़ के नुकसान का सरकारी आकलन था, जो अगले दशक यानी 2005-2015 में बढ़कर 4,745 करोड़ रुपये हो गया। यह बताता है कि बाढ़ किस निर्ममता से हमारी अर्थव्यवस्था को चट कर रही है। बिहार का 73 प्रतिशत हिस्सा आधे साल बाढ़ और शेष दिन सुखाड़ का दंश झेलता है और यही वहां के पिछड़ेपन, पलायन और परेशानियों का कारण है। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा नदियों के रौद्र रूप से पस्त रहता है। असम में इन दिनों 18 जिलों के कोई साढ़े सात लाख लोग बाढ़ के कारण घर-गांव से पलायन कर गए हैं और यह उनकी सालाना नियति है। देश को सर्वाधिक सांसद और प्रधानमंत्री देने वाले राज्य उत्तर प्रदेश की नियति भी हर बाढ़ में कुछ ऐसी ही होती है। बाढ़ की यह गति हमारे राज्यों को किस तरह साल-दर-साल पिछड़ने पर मजबूर कर देती है, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। केंद्र हो या राज्य, सरकारों का ध्यान बाढ़ के बाद राहत कार्यों व मुआवजे पर ही रहता है। शायद यही कारण रहा कि आजादी के 70 साल बाद भी हम बाढ़ नियंत्रण की कोई मुकम्मल योजना नहीं दे पाए। केरल की बाढ़ ने वहां जिस तरह सौ साल का रिकॉर्ड तोड़ा है और अपनी हरियाली और खूबसूरती के लिए हमेशा गुलजार रहने वाला यह राज्य जैसी प्राकृतिक आपदा झेल रहा है, उसने नए सवाल खड़े किए हैं। इसने उन नीति-नियंताओं पर सवाल खड़े किए हैं, जो साल-दर-साल बाढ़ को मुआवजे और राहत के तराजू पर तो तोलते रहे, कोई कारगर और स्थाई योजना नहीं दे सके। केरल की अप्रत्याशित बाढ़ ने जिस तरह इसकी अर्थव्यवस्था को कई साल पीछे धकेल दिया है, वह तमाम नए सवालों से टकराने की वजह देती है। मौजूदा हालात में बाढ़ महज एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानवजन्य साधनों से उपजी त्रासदी भी है। अतएव बाढ़ के बढ़ते सुरसा-मुख पर अंकुश लगाने के लिए शीर्घ्र कुछ करना होगा। कुछ लोग नदियों को जोड़ने में इसका निराकरण खोज रहे हैं। हकीकत में नदियों के प्राकृतिक बहाव, तरीकों, विभिन्न नदियों के ऊंचाई-स्तर में अंतर जैसे विषयों का हमारे यहां कभी निष्पक्ष अध्ययन ही नहीं किया गया और इसी का फायदा उठाकर कतिपय ठेकेदार, कारोबारी और जमीन-लोलुप लोग इस तरह की सलाह देते हैं। पानी को स्थानीय स्तर पर रोकना, नदियों को उथला होने से बचाना, बड़े बांध पर पाबंदी, नदियों के करीबी पहाड़ों पर खुदाई पर रोक और नदियों के प्राकृतिक मार्ग से छेड़छाड़ को रोकना कुछ ऐसे सामान्य प्रयोग हैं, जो बाढ़ सरीखी भीषण विभीषिका का मुंह-तोड़ जवाब हो सकते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत,पाक के संबंधों को सहज बनाने में सकारात्मक भूमिका निभाएगा चीन

बीजिंग।

चीन ने आज कहा कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सहज बनाने के लिए ''सकारात्मक और रचनात्मक'' भूमिका निभाने को इच्छुक है। चीन ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इमरान खान की 'सकारात्मक' टिप्पणियों का भी स्वागत किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लु कांग ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में सुधार क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। खान के 18 अगस्त को पाकिस्तान के 22 वें प्रधानमंत्री का पद भार संभालने के बाद दोनों नेताओं द्वारा जारी किए गए बयानों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में लु ने कहा, ''हमने संबद्ध खबरों पर गौर किया है और हम द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने पर भारत और पाकिस्तान के नेताओं की सकारात्मक टिप्पणियों का स्वागत करते हैं।'' लु ने कहा, ''दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और भारत, दोनों ही महत्वपूर्ण देश हैं। पाकिस्तान और भारत के एक साझा पड़ोसी होने के नाते चीन दोनों पक्षों द्वारा वार्ता के जरिए पारस्परिक विश्वास बढ़ाने और अपने मतभेदों को उचित तरीके से दूर करने का दृढ़ता से समर्थन करता है।'' उन्होंने कहा, ''चीन को उम्मीद है कि दोनों देश क्षेत्रीय शांति एवं विकास के प्रति संयुक्त रूप से प्रतिबद्ध बने रह सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''चीन इस सिलसिले में एक रचनात्मक भूमिका निभाने को इच्छुक है।'' यह पूछे जाने पर कि चीन के सकारात्मक भूमिका निभाने से उनका क्या मतलब है। इस पर, लु ने कहा कि भारत और पाकिस्तान द्वारा सकारात्मक टिप्पणियां किए जाने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए उनकी सभी कोशिशों को देख कर उन्हें अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''हम इसका स्वागत करते हैं। हम इस सिलसिले में एक रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''लगातार संबंधों को बेहतर करना और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए संयुक्त रूप से काम करना बेशक दोनों देशों के लिए एक अच्छी चीज है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनका मतलब यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच चीन मध्यस्थता करना चाहता है। प्रवक्ता ने कहा, ''मैं आपको इस बारे में एक पूर्व निर्णय या कोई पहलू और किस क्षेत्र में हम काम करेंगे, उसे नहीं बता सकता। मैं आपको ऐसा कोई पूर्व निर्णय नहीं दे सकता।'' उन्होंने कहा कि लेकिन यह साफ है कि रचनात्मक भूमिका ऐसी कोई भी भूमिका हो सकती है ।

अमरीका को जवाब देने की तैयारी में चीन, अर्थव्यवस्था को लगेगा झटका

बीजिंग।

अमरीका द्वारा लगाए गए नए टैरिफ का जवाब देने की चीन ने पूरी तैयारी कर ली है। अमरीका द्वारा 23 अगस्त से 16 अरब डॉलर के चीनी उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया गया है। अमरीका के इस कदम के खिलाफ चीन ने जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और कहा है कि वह भी 200 अरब डॉलर के अमरीकी सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। इस ट्रेड वॉर से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को झटका लगेगा। चीनी वाणिज्य मंत्रालय द्वार जारी बयान में कहा गया कि अमरीका की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन है और इससे चीन के हितों का नुकसान हुआ है और इसलिए यह डब्ल्यूटीओ के विवाद समाधान तंत्र के तहत अमरीका के खिलाफ मुकद्दमा दायर करेगा। चीन को खुद के न्यायपूर्ण हितों और बहुपक्षीय व्यापारिक तंत्र की रक्षा करने के लिए विवश होकर आवश्यक जवाबी कदम उठाना पड़ रहा है। इससे पहले जुलाई में अमरीका ने चीन के 34 अरब डॉलर के सामानों पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया था। इसके बाद चीन ने अमेरिका पर दबाव डालने का आरोप लगाया था और कहा था कि बदले में वह भी अमरीकी सामानों पर इतना ही टैरिफ लगाएगा।

बता दें किअमेरिका और चीन के बीच हर साल 650 अरब डॉलर के गुड्स और सर्विसेज का कारोबार होता है। 2 देशों के बीच यह दुनिया का सबसे बड़ी ट्रेड रिलेशनशिप है। अमरीकी उद्योग ने ट्रेड वॉर की आलोचना की है और कहा कि इससे अमरीका में कारोबार करने की लागत और बेरोजगारी बढ़ेगी।

खतरे में ट्रंप की कुर्सी, चल सकता है महाभियोग

वॉशिंगटन। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुर्सी पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। आने वाले समय में ट्रंप कोमुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। चुनाव अभियान के पूर्व सलाहकार ने आज आगाह किया कि ट्रंप के पूर्व अधिवक्ता माइकल कोहेन द्वारा जुर्म स्वीकार किए जाने के कारण राष्ट्रपति को कुछ महीनों में महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप के लिए काम करने वाले कोहेन ने मंगलवार को कर धोखाधड़ी, बैंकों को झूठे बयान देने और प्रचार अभियान में वित्तीय उल्लंघनों समेत आठ आरोप स्वीकार किए थे।साल 2016 में ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार अभियान के संचार सलाहकार रहे माइकल कैपुटो ने कहा, ''डेमोक्रेट्स को महाभियोग के लिए इन सबकी जरुरत है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मध्यावधि चुनाव के दौरान डेमोक्रेट्स को सदन में बहुमत मिल जाता है तो यह राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के वास्ते उनके लिए पर्याप्त होगा।'' कैपुटो ने यह भी कहा कि उनका मानना है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव अहम होगा क्योंकि यह निर्धारित करेगा कि मतदाता महाभियोग का समर्थन करते हैं या विरोध।

कोहेन और ट्रंप के पूर्व अभियान प्रबंधक पॉल मैनाफोर्ट को मंगलवार को न्यूयॉर्क और वर्जीनिया की अदालतों ने दोषी ठहराया। 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस के कथित हस्तक्षेप को लेकर चल रही एफबीआई की जांच से ये आरोप सामने आए थे।

भारत के पड़ोसी देश के 100 से अधिक शहरों में सिगरेट बैन

कोलंबो।

भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका की सरकार ने हाल के सालों में धूम्रपान व सिगरेट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश के 100 से ज्यादा शहरों को तंबाकू मुक्त बनाने के मकसद से सिगरेट की बिक्री का बहिष्कार किया है। मंत्रालय के अनुसार, पब्लिक हेल्थ इंस्पेक्टर्स यूनियन ने देश भर में धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में स्थानीय लोगों को शिक्षित करने के कई कार्यक्रम शुरू किए हैं और इसके परिणामस्वरूप कई शहरों के दुकानदारों व व्यापारियों ने सिगरेट बेचना बंद कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, जाफना के 22 शहर व मतारा के 17 शहर व कुरुनेगला के 16 शहरों के साथ दूसरे शहर भी सिगरेट की बिक्री के बहिष्कार में शामिल हुए हैं। मौजूदा समय में 107 शहर इस मुहिम का हिस्सा हैं। स्वास्थ्य मंत्री राजिता सेनारत्ने ने आंकड़ों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें इस आंकड़े के 2019 में 200 तक बढ़ने की उम्मीद है। इन कदमों के

तहत तंबाकू पर कर 90 फीसदी बढ़ाने, सिगरेट के पैक पर 80 फीसदी तक चित्र चेतवानी वाला भाग बढ़ाने और स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट की बिक्री पर रोक लगाने जैसे कदम शामिल हैं। सरकार 2020 तक तंबाकू की खेती पर रोक लगाने पर विचार कर रही है।

अमरीका में स्सिटोर मालिक सिख के हत्या मामले में एक गिरफ्तार

न्यूयॉर्क । अमरीका में सिख व्यक्ति की कथित तौर पर की गई हत्या के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पिछले सप्ताह न्यू जर्सी में सिख युवक अपने स्टोर में मृत अवस्था में पाया गया था। उसके शरीर पर चाकू से हमले किए जाने के जख्म थे। त्रिलोक सिंह (55) को 16 अगस्त को उनके चचेरे भाई ने उनके स्टोर में मृत देखा था । उनके सीने पर चाकू से हमला किए जाने के जख्म थे। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, एसेक्स काउन्टी के कार्यवाहक अभियोजक रॉबर्ट लौरिनो ने बताया कि न्यूयॉर्क के उबियरा को गिरफ्तार किया गया है और उस पर सिंह की हत्या का आरोप लगाया गया है। उबियरा को हिरासत में लेने पर गुरुवार को सुनवाई होगी। जानकारी के अनुसार, मृतक सिंह बेहद दयालु किस्म के व्यक्ति थे। उनकी पत्नी और बच्चे भारत में रहते हैं। वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए खुद का स्टोर चला रहे थे। उनके परिवार ने अब स्टोर को बंद कर दिया है, क्योंकि अमेरिका में लगातार सिखों पर हो रहे हमलों के कारण सिख समुदाय डरा हुआ है।

ओबामा के अभियान में वित्तीय नियमों के उल्लंघन का आसानी से निपटारा हुआ : ट्रंप

न्यूयार्क ।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि उनके पूर्ववर्ती बराक ओबामा के चुनाव अभियान में भी वित्तीय नियमों का उल्लंघन हुआ था लेकिन उसका आसानी से निपटारा कर दिया गया। ट्रंप की इस टिप्पणी से एक दिन पहले ही ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन ने उन्हें परेशानी में डालते हुए चौंकाने वाली स्वीकारोक्ति की थी। कोहेन ने प्रचार अभियान के दौरान दो महिलाओं को ट्रंप के साथ उनके कथित संबंधों पर चुप्पी साधने के लिए पैसे देने की बात स्वीकार की थी। ट्रंप ने बुधवार को कई ट्वीट किए और कोहेन की आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि कोहेन अच्छे वकील नहीं हैं और कहानियां गढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने पूर्व चुनाव अभियान प्रमुख पॉल मनाफोर्ट की तारीफ करते हुए उन्हें साहसी व्यक्ति बताया। ट्रंप ने ट्वीट किया कि अगर कोई अच्छा वकील खोज रहा है तो वह उन्हें सुझाव देंगे कि कोहेन की सेवा नहीं लें। उन्होंने कहा कि ओबामा के चुनाव अभियान में वित्तीय नियमों का बड़ा उल्लंघन

हुआ था और उसका आसानी से निपटारा हो गया था।

दूसरे विश्व युद्ध दौरान गुम हुआ पर्स 77 साल बाद ऐसे मिला

न्यूयार्क।

जिंदगी में कई बार ऐसा होता है कि कोई चीज खो जाती है तो उम्मीद टूटने के बाद जब वो मिलती है तो खुशी का ठिकाना नहीं रहता। मगर कोई खोई हुई चीज 7 दशक बाद मिले तो खुशी का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ है अमरीका के ज्योर्जिया में रहने वाले रॉय रोट्स के साथ । करीब सात दशक पहले जो पर्स (वॉलेट) उन्होंने खो दिया था, उन्हें अब जाकर मिला है। यही नहीं, उसमें वे तमाम जरूरी कागजात भी थे, जो उस वक्त वॉलेट में थे जब वह गुम हुआ था। रोट्स अब 100 साल के हो चुके हैं। मगर जिस दिन उनका पर्स खोया, उस दिन से जुड़ी हर बात उनके मन में इतनी ताजा है । रोट्स ने बताया वह इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर थे और उनका काम हवाई जहाज की जांच करना था। उस दिन वह कैलिफोर्निया में थे। दूसरा विश्व युद्ध छिड़ा था। सब एक हवाई जहाज पर सवार थे। तभीउसे ख्याल आया कि उसके पास उसका पर्स नहीं है। उसने प्लेन पर सवार हर एक शख्स की तलाशी ली, मगर वह कही नहीं मिली। फॉक्स 5 की रिपोर्ट के मुताबिक, रॉय रोट्स की जेब से फिसला वॉलेट एडगर वॉरेन बड्र्स को मिला। दिलचस्प बात यह है कि एक अमरीकी नागरिक की वॉलेट यूरोपीय शख्स के हाथ लगी थी। यह करिश्मा कैसे हुआ, पता नहीं। जिस वक्त बड्र्स को रोट्स का पर्स मिला, वह इंग्लैंड के डर्बीशायर स्थित रॉयल एयरफोर्स में कार्यरत थे।रोट्स के वॉलेट में उनका ड्राइविंग लाइसेंस था। यानी उन्हें पर्स लौटाना वॉरेन बड्र्स के लिए मुश्किल नहीं था। वह लाइसेंस में लिखे नाम और पते पर उस वॉलेट को भेज सकते थे। मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। ऐसा भी नहीं था कि उन्होंने किसी गलत इरादे से रोट्स का पर्स अपने पास रख लिया हो। क्योंकि अगर ऐसा होता तो वह बरसों तक उस बटुए को संभाल कर नहीं रखते, पैसे निकालकर उसे फेंक देते। एडगर वॉरेन बड्र्स ने ना सिर्फ उस वॉलेट को हिफाजत से रखा बल्कि अपनी अगली दो पीढ़ियों तक उसे आगे भी बढ़ाया। वॉरेन ने वह पर्स अपने बेटे को दिया और उनके बेटे ने वह पर्स उनकी पोती को । वॉरेन अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनकी पोती ने ही रोट्स को उनका पर्स लौटाया। हालांकि, बड्र्स ने पर्स खुद क्यों नहीं लौटाया और उसे सहेजकर रखने के पीछे उनका इरादा क्या था यह अब राज़ बनकर रह गया है।

अध्ययनः मनुष्य की होमो इरेक्टस प्रजाति लुप्त होने का कारण आया सामने

मेलबर्न। हाल ही में हुए एक अध्ययन में सामने आया है कि मनुष्य की आदम प्रजाति होमो इरेक्टस के लुप्त होने का कारण सामने आ गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि आलस्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। अध्ययन में पता चला है कि मनुष्य की आदिम प्रजाति होमो इरेक्टस के लुप्त होने का कारण उनका आलसी स्वभाव और बदलते वातावरण से सामंजस्य न बैठा पाना था। एक पुरातात्विक खुदाई में इस बात के प्रमाण मिले हैं कि पाषाण युग के प्रारंभ में अरब के पेनिनसुला में पाई जाने वाली मनुष्य की प्रजाति ने अपने रहन-सहन के साधन जुटाने और औजार इकट्ठा करने के लिए सबसे कम प्रयास किए। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के सेरी शिप्टन का कहना है कि वे ऐसे लोग थे जो खुद को हिलाना भी नहीं चाहते थे। मैंने ये कभी नहीं पाया कि उन्होंने कभी दुनिया में घुलने-मिलने की कोशिश की। पाषाण युग के बारे में यह पता चलता है कि उस दौरान मनुष्य पत्थरों की मदद से अपने लिए औजार बनाता था और ये पत्थर उसे अपने निवास स्थल के आसपास पहाड़ों से मिलते थे। होमो इरेक्टस से तात्पर्य है सीधा आदमी। यह मनुष्य की वह प्रजाति थी, जिसने सीधे खड़े होना सीख लिया था। इनकी उत्पत्ति अफ्रीका महाद्वीप में मानी जाती है जहां ये यूरेशिया, जॉर्जिया, भारत, चीन और इंडोनेशिया तक गए। होमो इरेक्टस का सबसे पुराना अवशेष 19 लाख साल पहले का है और ताजा अवशेष 70 हजार साल पुराना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये मानव आग का प्रयोग करते थे और सामाजिक रूप से अपने पूर्व की प्रजातियों से अधिक आधुनिक भी थे। हालांकि मनुष्यों की इस प्रजाति की उत्पत्ति, वंश और संतान को लेकर शोध अभी जारी है।

आईएस प्रमुख बगदादी का आतंकियों के लिए आडियो संदेश जारी

बगदाद।

आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने इस साल पहली बार अपने मुखिया अबु बकर अल-बगदादी का एक कथित ऑडियो जारी किया है, जिसमें वह आतंकियों से अल्लाह द्वारा ली जा रही परीक्षा की घड़ी में एक रहने को कह रहा है। यह ऑडियो संदेश करीब 55 मिनट का है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बगदादी ऑडियो में कह रहा है कि उसके समर्थकों की भय और भूख से परीक्षा ली जा रही है लेकिन खुशखबरी उन्हें ही मिलेगी जो सब्र के साथ इसका सामना करेंगे। यह ऑडियो मेसेज बुधवार को आईएस के मीडिया विंग अल-फुरकान ने जारी किया है। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टी नहीं की जा सकी है कि ऑडियो में जिस शख्स की आवाज है वह बगदादी ही है। स्सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन विलियम अर्बन ने बताया, यूएस सेंट्रल कमांड को इस कथित ऑडियो के बारे में जानकारी है। वह इस ऑडियो पर आकलन को लेकर किसी तरह का बयान नहीं देंगे। हमें नहीं पता बगदादी कहां है, लेकिन हम उसे युद्धभूमि से हटाने में रुचि रखते हैं। विलियम ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि अमरीकी सरकार के किसी भी आधिकारिक सूत्र ने बगदादी के मरने का दावा किया हो। जब उनसे पूछा गया कि क्या यूएस अधिकारियों को लगता है कि बगदादी जिंदा है तो उन्होंने जवाब दिया, हां। अगर यह ऑडियो बगदादी का ही है तो अक्तूबर 2017 में ढ्स्ढ्स के पतन के बाद यह उसका पहला संदेश होगा। ऑडियो में बोल रहा शख्स लगातार आईएस एस की हो रही हार का भी हवाला देता हुआ सुना गया। संदेश में कहा गया है, एक सच्चे मुजाहिदीन के लिए जीत या हार इस बात पर निर्भर नहीं करती कि उसके कब्जे में कितने शहर हैं, उसके पास अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें हैं या स्मार्ट बॉम्ब हैं या नहीं, या फिर उसके कितने समर्थक हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसे अल्लाह पर कितना भरोसा है। बगदादी ने रिकॉर्डिंग में पश्चिम एशिया, एशिया और अफ्रीका में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, 'अल्लाह की रहमत से खलीफा बना रहेगा।'अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह संदेश कब रिकॉर्ड किया गया लेकिन बगदादी सीरिया के उत्तर पूर्वी हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए गत सप्ताह सऊदी अरब द्वारा 10 करोड़ डॉलर दिए जाने की आलोचना करता दिखाई दिया। उसने अमरीका और रूस को धमकी देते हुए कहा कि जिहादियों ने उनके लिए 'भयावहता' की तैयारी की है। रूस और अमरीका आईएस के खिलाफ हमलों का समर्थन करते हैं।

आईएस सरगना आखिरी बार जुलाई 2014 में इराक के दूसरे बड़े शहर मोसुल में सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिया था। बगदादी को कई बार मृत घोषित किया गया लेकिन एक इराकी खुफिया अधिकारी ने मई में बताया कि वह अब भी जिंदा है और सीरिया में रह रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस में चाकू हमले से एक की मौत, 2 घायल

पेरिस। पेरिस के नजदीक एक शख्स ने धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार पुलिस ने हमलावर को मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि ह हादसा पेरिस से 30 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में गुरुवार सुबहहुआ। हमले के बाद हमलावर इमारतों के पीछे छिपने की कोशिश कर रहा था लेकिन पुलिस ने उसे धर दबोचा।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अमरीका जेल में बंद 5 सिख रिहा

वॉशिंगटन। अमरीका में विवादित 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत पिछले 3 महीने से ओरेगन राज्य की जेल में बंद 5 अवैध सिख आव्रजकों सहित कुल 8 लोगों को मुचलके पर रिहा किया गया है। रिहा हुए इन सभी लोगों ने अमरीका से रहने के लिए शरण की मांगी है। आव्रजन वकीलों ने बताया कि शरण मांगने वाले बड़े आव्रजक समूह का हिस्सा होने के कारण 52 भारतीयों के एक समूह को मई महीने से ही ओरेगन के एक हिरासत केंद्र में रखा गया है। इनमें ज्यादातर आव्रजक सिख हैं। शेरिडान जेल में बंद तमाम आव्रजकों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है। वहां कुल 124 अवैध प्रवासी बंद हैं। ओरेगन जेल में करीब तीन महीने गुजारने के बाद पांचों आव्रजक कल पहली बार बाहर नजर आए। ओरेगन लाइव के अनुसार, जेल से रिहा हुए करनदीप सिंह (24) का कहना है, शुरुआत में मुझे कोई आशा नहीं थी। अब यह सपने की तरह है। मैं बहुत खुश हूं। हमारी मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। इनमें से कई सिखों को शेरिडान जेल के भीतर अपने मूल सिख रीति-रिवाजों का पालन करने में भी दिक्कत हुई। सिंह का कहना है, ''मैं जेल अधिकारियों को दोष नहीं देता। संभवत उन्हें पता नहीं है कि सिख किस प्रकार प्रार्थना करते हैं।'' वहीं लवप्रीत (22) का कहना है, हम बहुत अवसाद में थे। हम अपनी कोठरियों से बाहर नहीं निकल पाते थे, अपने परिवारों को फोन करना तो दूर की बात है। जेल अधिकारियों को भी नहीं पता था कि हम कौन हैं। हमारे परिवार हमारी मदद कैसे करते, जबकि उन्हें पता भी नहीं था कि हम कहां हैं?

पश्चिमी अफ्रीका में गिनी की खाड़ी से जहाज लापता

डकार । पश्चिमी अफ्रीका में गिनी की खाड़ी से चालक दल के 19 सदस्यों के साथ एक जहाज 14 अगस्त से लापता है। चालक दल में 17 जोरजिया के और दो रूस के नागरिक हैं। आशंका है कि समुद्री लुटेरों ने जहाज को बंधक बना लिया है। यूनान स्थित लोट्स नौपरिवहन ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि 'पंटालेना' जहाज से स्थानीय समानुसार 14 अगस्त को अपराह्न दो बजे के बाद से संपर्क नहीं हो पाया है। जोरजिया ने एक बयान जारी करके कहा कि जहाज पर 17 उसके और दो रूस के नागरिक सवार हैं। जहाज के बारे में कोई सूचना नहीं मिल पाई है। जहाज लोम से लिब्रेविले जा रहा था। पिछले वर्ष इस खाड़ी में समद्री डकैती की कई घटनाएं हुयी थीं।

ब्रिटेन के ''विंडरश स्कैंडल'' से प्रभावित लोगों में भारतीय तीसरे नंबर पर

लंदन। ब्रिटेन के ''विंडरश स्कैंडल'' से प्रभावित लोगों में भारतीय तीसरे सबसे बड़े समूह के रूप में सामने आए हैं। राष्ट्रमंडल देशों के नागरिकों से जुड़े इस आव्रजन मामले में लोगों को ब्रिटेन में नागरिकता के अधिकारों से गलत तरीके से वंचित किया गया। ''विंडरश'' मामला आव्रजन से संबंधित है जिसमें लोगों को गलत तरीके से कानूनी अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें वापस भेजने की धमकी दी गयी और कई मामलों में गलत तरीके से अधिकारियों ने उन्हें वापस भी भेज दिया। माइग्रेशन ऑब्जर्वेटरी के उपनिदेशक रॉब मैकनील के अनुसार विंडरश पीढ़ी का जिक्र उन लोगों के लिए किया जाता है जो 1973 से पहले आए थे जब ब्रिटेन आने वाले राष्ट्रमंडल नागरिकों के अधिकारों में कटौती की गयी थी। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर लोग जमैकन और कैरिबियन मूल के थे। इनमें भारतीय और अन्य दक्षिण एशियाई भी शामिल हैं। ब्रिटेन के गृह मत्री साजिद जावेद द्वारा संसद की एक समिति को दी गयी सूचना के अनुसार 102 भारतीयों को दस्तावेज मुहैया कराए गए हैं ताकि वे ब्रिटेन में रहने और काम करने के अधिकार प्राप्त कर सकें। राष्ट्रमंडल नागरिकों के मामलों से निपटने के लिए कार्यबल गठित किया गया है। इस कार्यबल द्वारा निपटाए गए 2272 मामलों में जमैका के 1093 और बारबाडास के 213 मामले हैं। 102 मामलों के साथ भारत तीसरे नंबर पर है।

देश को गरीबी से मुक्ति भारत सरकार का प्रमुख लक्ष्य : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 1,15,551 गरीब लोगों को मिला पक्के मकान का तोहफा

❖ 600 करोड़ की पानी योजना का पीएम ने दिया सौगात
❖ 2022 तक हर भारतीय के सिर पर छत केन्द्र सरकार का सपना

वापी. गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वलसाड जिला के जूजवा गांव में आयोजित कई उपयोगी लोकलक्षी कार्यक्रम के स्थल से गुजरात के 26 जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 1727 करोड़ की लागत से निर्मित मकानों के 1,15,551 लाभार्थियों को ई-गृह प्रवेश कराया. इस दौरान उन्होंने कहा कि बहनें मेरे लिए बड़ी राखी लेकर आयी है. रक्षाबंधन का पर्व नजदीक है, ऐसे में एक लाख से अधिक परिवारों की बहनों को यह तोहफा प्राप्त हुआ है. देश की बहनों एवं माताओं के आशीर्वाद से मुझे रक्षाकवच मिला है, ऐसा भाव भी उन्होंने व्यक्त किया.

प्रधानमंत्री ने जूजवा में आयोजित कार्यक्रम में वलसाड जिला के धरमपुर एवं कपराडा तालुका के 174 गांवों एवं 1028 फलियों को गर्मी सहित पूरे वर्ष पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए अस्टोल जूथ पानी आपूर्ति योजना का शिलान्यास भी किया. प्रधानमंत्री मोदी ने बेघर लोगों की पीड़ा को बयां करते हुए कहा कि मुझे मालूम है कि अपना घर न होने से कितनी पीड़ा होती है और आज खुद का मकान पाने के बाद गरीबों के सपने अपने लगने लगे है. उन्होंने करीब 600 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल योजना का शुभारंभ करने पर कहा कि खासकर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या बहुत होती है, जिसे मैं बहुत नजदीक से देखा हूं. परन्तु इस योजना के अंतर्गत समुंद्र का पानी 200 मंजिला मकान तक पहुंचेगा, जहां से पुन: नीचे रहने वाले सभी परिवारों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध होगा. उन्होंने कहा कि, घर-घर जल से नल, का सपना अब साकार हो चुका है और कोई भी गरीब से गरीब व्यक्ति शुद्ध पानी से अछूता नहीं रहेगा. पीएम ने कहा कि भारत सरकार देश को गरीबी से मुक्ति के लिए विशेष अभियान चलाया है, जिसके तहत अब गरीब विकास के मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की तरफ अग्रसर हो चुके है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले गरीब बैंक का सपना भी नहीं देख पाते थे परन्तु जनधन योजना के अंतर्गत सरकार ने गरीबों के घर पर बैंक को लाकर खड़ा कर दिया है. उन्होंने गुजरात से अपनी आर्तमियता का आत्मबोध कराते हुए कहा कि मुझे गुजरात ने हमेशा आशीर्वाद दिया है और उसी आशीर्वाद के तहत मुझे देश के उत्थान में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. मोदी ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी हमारे बीच नहीं है परन्तु उनके नाम से बनी ग्रामीण सड़क योजना के तहत हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ा जा रहा है. इससे जहां शहर और गांव के बीच के अंतर की दूरी मिटी है वहीं पर गांव के किसानों एवं गरीबों को रोजगार मिलने का आयाम प्राप्त हुआ है.

इससे पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीबों को आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार हुआ है. उन्होंने कहा कि जलापूर्ति संचय योजना के जरिये गुजरात के हर कोने में पीने का पानी एवं कृषि कार्य में सिंचाई के लिए पूरी मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जो सपना है कि 2022 तक सबके सिर पर छत होगा, वह जमीन पर साकार होने लगा है. सीएम ने कहा कि गुजरात में 2,05,000 गरीबों को आवास देने का लक्ष्य गुजरात सरकार ने रखा है और उस लक्ष्य को अगले साल तक पूरा कर लिया जाएगा.

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ग्रामोदय योजना एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्राम कौशल योजना के तहत लाभार्थियों को रोजगारलक्षी प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र एवं रोजगार के आदेश प्रदान किये गये. इस दौरान मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री गणपतसिंह वसावा, सामाजिक-न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वर परमार, राज्य आरोग्य मंत्री किशोर कानाणी, राज्य आदिजाति विकास मंत्री रमणलाल पाटकर, राज्य ग्राम विकास मंत्री बचुभाई सहित राज्य मंत्री मंडल के सदस्यों, सांसदों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही. इस कार्यक्रम में काफी संख्या में लोगों की भी उपस्थिति रही. इस दौरान प्रधानमंत्री ने आवास योजना के लाभार्थियों के साथ घर की गुणवत्ता, बिजली, गैस, शौचालय एवं पानी आपूर्ति जैसी सुविधा का संवाद भी किया एवं लाभार्थी परिवारों संतानों एवं खास करके बच्चियों के शिक्षण की पूरा ध्यान रखने का अनुरोध किया.

भटार कैनाल ब्यूटीफिकेशन के दौरान स्लैब गिरा

एक बच्ची की दबने से मौत

सूरत, भटार केनाल रोड पर केनाल को डेवलप करने का काम किया जा रहा था। जिसमें खडी की गई कमान का स्लेब टूटकर गिर पडा और उसके नीचे 10 से अधिक मजदूर दब गये। घटना की जानकारी होते ही 108 और फायर विभाग घटना स्थल पर पहुंच गया और करीब 6 मजदूरों का तात्कालिक ईलाज हेतु सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। जबकि मलबे के नीचे फसे अन्य को बाहर निकालने का रेस्क्यु किया गया। जिसमें एक बालिका का मृतदेह बाहर निकाला गया।

भटार केनाल रोड पर जी.डी. गोयेन्का स्कूल के सामने से पसार होनेवाली केनाल और उसके समांतर रोड को सुशोभित करने के लिए पालिका ने हाल में ही काम शुरु किया था। केनाल पर लेन्डस्क्रेपिंग करने के किए कोन्क्रिट की कमान जैसी डिजाइन बनाने के लिए कोलम खडा करके स्लेब भरने का काम जारी था। ऐसे में पूरा स्लेब ही टूटकर गिर पडा। इस घटना के बाद ऐसी हवा फैल गई थी कि बीआरटीएस के बस स्टेन्ड का स्लेब टूटकर गिरा है। हालांकि वास्तव में केनाल डेवलपमेन्ट में ब्युटीफिकेशन के लिए किये जा रहे काम में यह दुर्घटना हुई थी। स्लेब टूटकर गिरने से काम कर रहे करीब 10 मजदूर दब गये। घटना की जानकारी होते ही फायर और 108 की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गई। जहां मलबे के नीचे फसे लगों को बाहर निकाल ईलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया। जिसमें से छह घायलों को सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। जबकि फायर विभाग के द्वारा किये गये रेस्क्यु में मलबे के नीचे से एक बालिका का मृतदेह मिला।

रक्षाबंधन का त्यौहार नजदीक आते ही बाजार में राखी खरीदने वाली महिलाओं की भीड़ नजर आने लगी है।

पिछले ८ वर्ष में तीन लाख से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने काटा

अहमदाबाद। एएमसी प्रशासन द्वारा शहर में से आवारा कुत्तों को पकड़कर इनका टीकाकरण करके मूल जगह पर रखने का कामकाज कई वर्षों से चल रहा है लेकिन जो चाहिए वैसा प्रभावी कार्यान्वयन या परिणाम नहीं दिखाई देता है। जिसे लेकर एएमसी प्रशासन का कामकाज हमेशा विवादों और कई सवालों में घिरा रहता है। आवारा कुत्तों के कारण शहर की परिस्थिति चाहिए तो, शहर में आवारा कुत्तों के आतंक से बच्चों और महिलाएं भी डर रही है।

गर्लफ्रेंड की सगाई होने पर सोशल मीडिया पर डाले फोटो

गर्लफ्रेंड की सगाई बाद कर रहा था परेशान

सूरत. सगाई के बाद सोशल मीडिया पर एक युवती के फोटो और अभद्र मैसेज कर उसे परेशान करने वाले युवक को साइबर क्राइम पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस उप निरीक्षक जे.बी. आहिर ने बताया कि अश्वनी कुमार रोड पर लक्ष्मीनारायण सोसायटी निवासी कल्पेश सुतरिया (26) थिएटर में साउंड सिस्टम का काम करता है। जूनागढ़ जिले के इटवाया गांव के मूल निवासी कल्पेश की कुछ समय पहले पीड़ित युवती से मित्रता थी। उसने युवती को एक स्मार्ट फोन दिया था।

तीन-चार महीने पहले युवती की अन्य युवक से सगाई हो गई। युवती ने मित्रता खत्म कर कल्पेश को उसका मोबाइल फोन लौटा दिया। मोबाइल में उसके कुछ आपत्तिजनक फोटो रह गए थे। जिनका कल्पेश ने दुर्रपयोग किया। उसने उसका फेसबुक अकाउंट हैक कर उन फोटोग्राफ्स को अपलोड करना शुरू कर दिया और कई अभद्र मैसेज भी भेजे। उसने फेसबुक मैसेंजर पर युवती के मंगेतर को भी फोटो व कई अभद्र मैसेज भेजे। इस बारे में युवती व उसके परिजनों से साइबर क्राइम पुलिस को लिखित शिकायत मिलने पर जांच शुरू की गई।

पुलिस ने टेक्निकल सर्वेलंस से कल्पेश का सुराग हासिल किया। उसके बाद डूमस रोड पर सिटी प्लस सिनेमा के निकट से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कापोद्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केन्द्रीय ग्राम विकास टीम ने सूरत जिले के विभिन्न गांवों का किया दौरा

सूरत, केन्द्र सरकार के ग्राम विकास विभाग द्वारा 1 अगस्त से 31 अगस्त दौरान स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2018 की कार्यवाही शुरु की गई है। जिसके अंतर्गत केन्द्रीय टीम ने सूरत जिला के कामरेज तहसील के वलथाण गांव, पलसाणा तहसील के तातीझगडा, महुवा तहसील के वाडिया और बारडोली तहसील के कांटी फलिया के गांव की मुलाकात लेकर स्वच्छता का निरीक्षण किया। अगस्त माह दौरान ग्राम्य ?त्रों में स्वच्छता के निरीक्षण के लिए केन्द्रीय ग्राम विकास विभाग की टीम सूरत जिला की मुलाकात पर आ पहुंची है। जो तमाम ग्राम पंचायतों में स्वच्छता, सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता, खुले में शौच क्रिया से मुक्ति के संदर्भ में स्थिति, ओडीएफ गावों की जांच, स्वच्छता के संदर्भ में किये जाने प्रचार प्रसार, घन और प्रवाही कचरे के अंतिम निकाल की व्यवस्था आदि सर्वग्राही सर्वेक्षण करेगी।

उकाई डेम लबालब भरा, सुबह एक घंटे की बारिश में जल स्तर में एक फुट का इजाफा

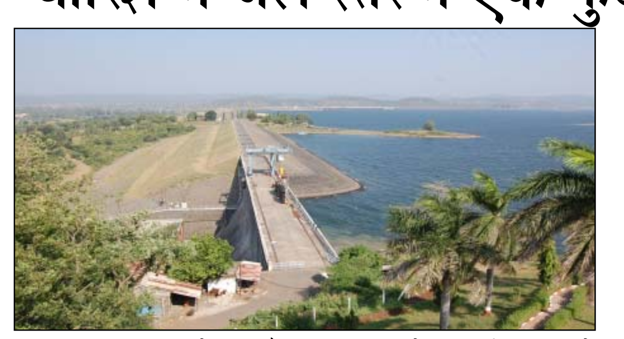

सूरत, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह दौरान हुई भारी बारिश के चलते तापी नदी के उपरी क्षेत्र में स्थित छोटे-मोटे चेकडेम व तालाब भर जाने से अब सीधे पानी उकाई डेम में आना शुरु हो गया है। आज दोपहर 2 बजे के 1,73,930 क्युसेक पानी की आवक के साथ उकाई डेम का स्तर 311.14 फुट पर पहुंच गया।

सूरत सिंचाई विभाग के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत चौबीस घंटे दौरान उकाई डेम के उपरी क्षेत्र मे स्थित महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के जलग्रहण क्षेत्र में रिमझिम बारिश दर्ज हुई है। जिसमें टेस्का में 4 मिमी, चीखलधरा में 16 मिमी, बुरहानपुर में 7 मिमी, हथनुर में 3 मिमी, भुसावल में 1 मिमी, सावखेडा में 2 मिमी, सारनखेडा में 2 मिमी, सागबारा में 34 मिमी, खेतीया में 4 मिमी, नंदरबार में 7 मिली मीटर मिलाकर कुल 21 जलग्रहण क्षेत्रों में कुल 82.20 मिली मीटर बारिश दर्ज हुई है। आज सुबह हथनुर डेम का स्तर 210.98 मीटर दर्ज होने के साथ उसमें से तापी नदी में 55,568 क्युसेक पानी की डिस्चार्ज किया जा रहा है। हलांकि गत रोज यह डिस्चार्ज 1 लाख क्युसेक का था।

हथनुर डेम से उकाई डेम के बीच स्थित छोटे-बडे तमाम चेक डेम, तालाब भर जाने के बाद अब हथनुर डेम से छोडे जाने वाला पानी का तमाम जत्था सीधे उकाई डेम में आने लगा है। आज सुबह छह बजे उकाई डेम का स्तर 309.75 फुट दर्ज होने के साथ 94 हजार क्युसेक पानी की आवक हो रही थी। जो सुबह 10 बजे बढकर 1.94 लाख क्युसेक हो गई थी। आज दोपहर के समय डेम में 1,73,930 क्युसेक पानी की आवक के साथ उकाई डेम का स्तर 311.14 फुट दर्ज किया गया। उलेखनीय है कि पिछले एक सप्ताह में डेम के स्तर में सीधे 10 फुट की वृद्धि दर्ज हुई है। हलांकि अभी भी रुल लेवल से डेम का स्तर करीब 19 फुट कम है। आज की तारीख में उकाई डेम का रुल लेवल 335 फुट निर्धारित किया गया है। हलांकि उपरी क्षेत्र से हो रही पानी की आवक के चलते आगामी रोज तक डेम के स्तर में कम से कम 2 से 3 फुट की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

फरेंसिक यूनिवर्सिटी के चौथे समारोह मे शामिल हुए: मोदी

गांधीनगर। गुजरात के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शाम को गुजरात की फरेंसिक यूनिवर्सिटी के चौथे समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पुलिस, फरेंसिक साइंस और ज्यूडिशियरी तीनों ही क्रिमिनल जस्टिस डिलिवरी सिस्टम के अभिन्न अंग होते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश में ये तीन अंग जितने ज्यादा मजबूत होंगे, उतना ही वहां के नागरिक सुरक्षित रहेंगे और आपराधाकि गतिविधिया नियंत्रित में रहेगी। पीएम मोदी ने फरेंसिक एक्सपर्टस को डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, मैं फरेंसिक एक्सपर्टस से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और डीएनए प्रोफाइलिंग का इस्तेमाल करके न्याय व्यवस्था की मदद करें, जिसमें दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जा सके और पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके। उन्हों ने कहा, आज अपराधी अपने अपराध को छिपाने और बचने के लिए जिस तरह के प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि हर व्यक्ति को एहसास हो कि वह अगर कुछ लगत करेगा तो पकड़ा जरूर जाएगा। यहीं पर फरेंसिक साइंस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। डीएनए टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा, फरेंसिक जांच में डीएनए टेक्नॉलजी के महत्व को देखते हुए हमारी सरकार ने डीएनए टेक्नॉलजी (इस्तेमाल और ऐप्लिकेशन) रेग्युलेशन बिल २०१८ को स्वीकृति दी है।

मेरठ की घटना को लेकर सौंपा ज्ञापन

सूरत. श्री राजपूत करणी सेना की सूरत ईकाई ने पिछले दिनों मेरठ में हुई सामुहिक बलात्कार की घटना पर रोष जताते हुए गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में करणी सेना के सदस्यों ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए बलात्कार के बाद किशोरी को जलाने के मामले में पकड़े गए छह अभियुक्तों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग की गई है। गौरतलब है कि मेरठ में सातवीं कक्षा की छात्रा के साथ हेवानियत हुई थी।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com